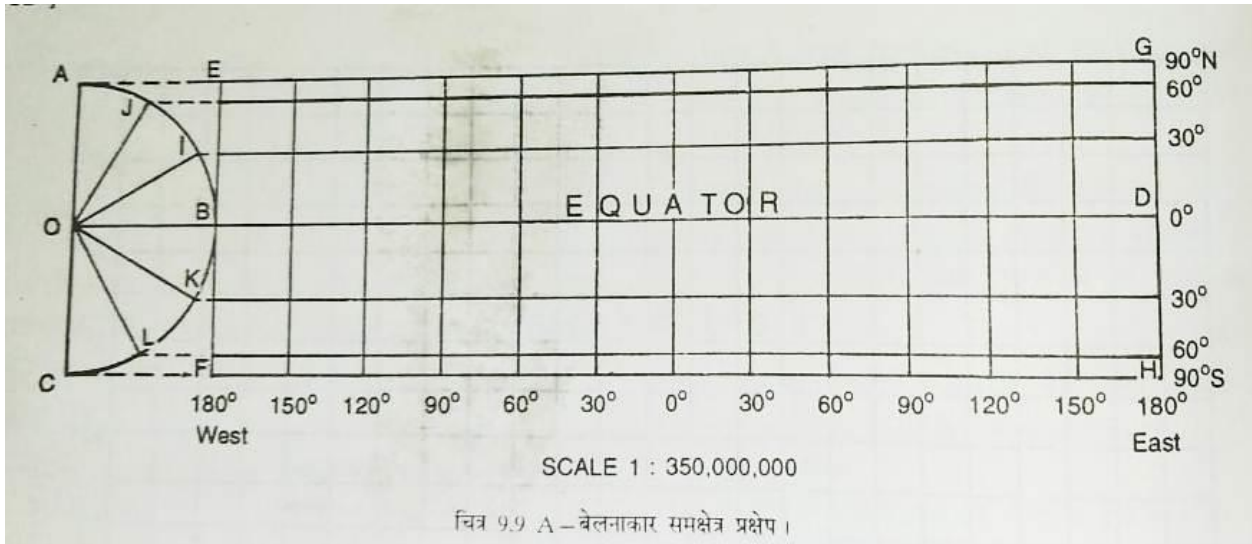


बेलनाकार समक्षेत्र प्रक्षेप (Cylindrical Equal Areal Projection)

*बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान*

इस प्रक्षेप को सर्वप्रथम जोहान हेनरिक लैंबर्ट (Johann Heinrich Lambert) ने बनाया था। अतः निर्माता के नाम पर इसे लैंबर्ट का बेलनाकार समक्षेत्र प्रक्षेप भी कहते हैं। जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है, इस प्रक्षेप में शुद्ध क्षेत्रफल प्रदर्शित करने का गुण होता है। इस गुण को बनाए रखने के लिए प्रक्षेप में अक्षांश वृत्तों के बीच की दूरी इस प्रकार निश्चित करते हैं जिससे किन्हीं दो अक्षांश वृत्त से घिरे भाग का मानचित्र में वही क्षेत्रफल हो जो उन अक्षांश वृत्त के मध्य पृथ्वी के तल पर है। सैद्धांतिक रूप से इस प्रक्षेप की रचना प्रकाश स्रोत को अनंत दूरी पर मान कर की जाती है जिसके फलस्वरूप प्रक्षेप में प्रत्येक देशांतर रेखा की लंबाई पृथ्वी के लघुकृत गोले के ध्रुवीय व्यास के बराबर होती है।



चित्र स्रोत: प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा

पहचान (Identification)

1. अक्षांश वृत्त सरल व समांतर रेखाओं के रूप में होते हैं तथा प्रत्येक अक्षांश वृत्त की लंबाई भूमध्य रेखा के बराबर होती है।
2. अक्षांश वृत्तों के बीच की दूरी भूमध्यरेखा से ध्रुवों की ओर को कम होती जाती है।
3. देशांतर रेखाएं भी सरल एवं परस्पर समान्तर होती हैं, परंतु उनके बीच की दूरी एक समान होती है।

